

वैठक - प्रतिवेदन

दिनांक 30.11.2019 को अपराह्न 2.00 बजे महाविद्यालय विकास समिति की साप्ताहिक सभा सैमिनार हॉल में आयोजित की गई। सभा में निम्नलिखित सदस्यों को आमंत्रित किया गया।

- अध्यक्ष - डॉ. श्रीमती रीटा गुलाटी
 सचिव - श्रीमती प्रेमजीत कौर सूरी
 कोषाध्यक्ष - डा. स्मृति चौहरी
 आयुक्तालय प्रतिनिधि - श्री. के.एम. गवेन्डा

बाह्य सदस्य -

- श्री ओम कृष्ण बिश्वा (सांसद)
 श्री ज्ञानि चारुवाल (वित्तायक)
 श्री महेश विजय (महापौर)
 श्री सुरेन्द्र गोचर (जिला प्रमुख)
 श्रीमती यावना शर्मा (सहा.कलेक्टर मुख्यालय)
 डा. श्रीमती संतोष गोगिया (शिक्षाविद्)
 श्रीमती रश्मि गोयल (शिक्षाविद्)
 श्रीमती लज्जा खन्ना (प्रबुद्ध नागरिक)
 श्रीमती कृष्णा खण्डेलवाल (प्रबुद्ध नागरिक)
 श्रीमती कुमकुम जेटली (महिला इयंगर)
 श्रीमती स्वाति गुप्ता (सांघातिक कार्यकर्ता)
 सुश्री नीतू सिंह (नामित सदस्य)
 श्री सुन्दु अली (आभिभावक)
 श्री वी.एल.नागर (आभिभावक)

आन्तरिक विकास समिति -

- श्रीमती मधु खन्ना (सह.आचार्य)
 डा. श्रीमती लक्ष्मी चाल (सह.आचार्य)
 डा. श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव (सह.आचार्य)

- डा. श्रीमती फातिमा सुल्ताना (सह.आचार्य)
 श्री धनश्याम नागर (सहा.लेखा.पर. I)
 श्रीमती सुमन शर्मा (स्टोर कीपर)
 श्रीमती मेरी कुडी (कै.डायर)
 श्रीमती प्रेमलता कश्यप
 सुश्री लीना सुवालका (दानसंय अद्यक्ष)
 डा. के.एम. गवेन्डा (स.जि. कालेज शिक्षा)

वैठक की कार्यवही इस प्रकार रही -

विन्दु सं. 1 : सर्वप्रथम वैठक में आमंत्रित सभी सदस्यों का विकास समिति सचिव श्रीमती प्रेमजीत सूरी द्वारा स्वागत किया गया।

विन्दु सं. 2 : गत वैठक का प्रतिवेदन सचिव श्रीमती प्रेमजीत सूरी द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसका अनुमोदन महाविद्यालय विकास समिति अध्यक्ष डा. श्रीमती रीटा गुलाटी जी द्वारा किया गया।

विन्दु सं. 3 : कालेज शिक्षा आयुक्तालय द्वारा नव नियुक्त सहायक निदेशक श्री. के.एम. गवेन्डा जी का समिति अध्यक्ष व सभी सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। आयुक्तालय प्रतिनिधि बनने पर श्री गवेन्डा जी ने महाविद्यालय विकास के लिये हर संभव मदद व परामर्श देने को सदैव उपलब्ध रहने का कथ।

विन्दु सं. 4 : सचिव महोदया द्वारा पिछली वैठक में नियोजित कार्यों की समीक्षा प्रस्तुत करे गई व शेष बड़े कार्यों को अतिशीघ्र सम्पन्न करवाने का प्रयास करने को कहा। सचिव जी ने आज की वैठक, गवेन्डा प्रस्तुत किया।

विन्दु सं : 5 : रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष
डा० लक्ष्मी माल जी ने प्रयोगशाला के सामने
आदि की सुरक्षा हेतु विभाग की पीछे वाला
दीवार ऊँची उठवाने को कहा।
उन्होंने रसायन शास्त्र विभाग के सामने
जल भराव वाली जमीन का सिटी से पटान कर
व अत्याधिक जलभराव की समुचित निकासी
को सुझाव दिया जिसका की सचिव मधोदत्र
व अन्य सदस्यों ने विचार विमर्श कर
ठीक करवाने को कहा।

विन्दु सं 6 : वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष
डा० प्रतिभा श्रीवास्तव जी ने जी विभाग द्वारा
संधारण की जा रही नरसरी में जी जलभराव से
पौधों के नष्ट होने का उपाय करने को कहा।
उन्होंने सिटी के बड़े गमलों में आवश्यक पौधों
के रखरखाव व पौधारोपण की सुझाव दिया जिसका
सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।
डा० प्रतिभा श्रीवास्तव ने वनस्पति विभाग
में श्व विह पौधा योजना अन्तर्गत M.Sc. Ph.D.
में 10 सीटें प्रारम्भ करवाने का सुझाव
दिया। सचिव मधोदत्र ने आयुक्तालय
के नियमानुसार कार्यवाही करने को कहा।

विन्दु सं 7 : प्रबुद्ध नागरिक श्रीमती कृष्णा खण्डेलवाल
ने महाविद्यालय विकास हेतु स्थानीय
विधायकों व पार्षदों से निरन्तर सम्पर्क कर
महाविद्यालय का विकास व आवश्यकताएँ पूर्ण
करवाने का सुझाव दिया जिसका की सभी
सदस्यों ने प्रशंस करने को कहा।
श्रीमती कृष्णा ने महाविद्यालय की दीवारें ऊँची
करवाने व जल निकासी की समुचित व्यवस्था
करने को विधायक जी से सम्पर्क करने को कहा।
जिससे की विधायक कोष से निर्माण करवाया

जा सके।

विन्दु सं 8 : श्रीमती सुशी ने बताया कि पुस्तकालय का
आवर्गेशन किया जा रहा है इस हेतु एक बुक रिकॉर्डर
की आवश्यकता है जिससे की कार्य का सम्पादन
सुव्यवस्थित तरीके से किया जा सके। उपस्थित
सभी सदस्यों ने अतिशीघ्र व्यवस्था करने की
सहमति प्रदान करी।

विन्दु सं 9 : दात संव्य अध्यक्ष सुशी टीना सुवालका ने
दाताओं की जी उपस्थिति वायोमैट्रिक पद्धति से
करवाने की बात कही। सभी सदस्यों ने सुझाव की
सहमति करी व सम्पूर्ण राज्य में दाताओं के
हित के लिए उपयोगी बताया।

विन्दु सं 10 : मौक्तिक शास्त्र विभागाध्यक्ष श्रीमती सुशी
ने आगामी सत्र 2019-20 में मौक्तिक शास्त्र
में M.Sc (Ph.D) की सीटों में दाताओं के रुझान
को देखते हुए 10 सीटें बढ़ाने का आयुक्तालय
अनुमति अनुसार प्रस्ताव दिया जिसका कि
सभी सदस्यों ने सहमति अनुमोदन किया।

विन्दु सं 11 : प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डा० फातिमा सुल्तान
ने UFD में संचालित M.Sc (Ph.D) की सीटों
में बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव दिया। विकास समिति
सचिव ने आयुक्तालय नियमानुसार व निर्देश
से ही सीटों में बढ़ोतरी करना संभव बताया।
सभी सदस्यों ने नियम पूर्वक यथा संभव प्रयास
करने को कहा। वर्तमान में 20 सीटें संचालित हैं जिनका
की 80 करने का प्रस्ताव है।

विन्दु सं 12 : महाविद्यालय विकास समिति कोषाध्यक्ष
डा० स्मृति जोहरी ने मामाशाह द्वारा सेंट
किये गये वाटर कुण्डर से सुरक्षा हेतु
ढाँहे की जाणी व शैड बनवाने को कहा।

वाटर कूलर R.NO. 88 के वाटर ^{खुले स्थान में} स्थित होने के कारण सुरक्षित रखना जरूरी बताया। सभी सदस्यों ने इसके सुझाव का अनुमोदन किया।

कौषाध्यक्ष ने प्रशासनिक भवन स्थित Tablets की संरक्षित की भी आवश्यकता बताई। सचिव अद्योदय ने विचार विमर्श कर संरक्षित करवाने की कक्षा

विन्दु सं: 13: सचिव श्रीमती प्रेमजीत सूरी ने बताया कि परिषद के दिनां में अत्याधिक धूप व बारिश से बचने के लिए प्रशासनिक भवन से लेकर ज्ञान केंद्र तक लीन रोड निर्माण की आवश्यकता बताई जिसका की सभी सदस्यों ने दाताओं व शिक्षकों की असुविधा को देखते हुए अतिशीघ्र कार्य करवाने का अनुमोदन किया।

विन्दु सं: 14: सचिव जी ने बताया कि महाविद्यालय सफाई हेतु लगाए गए सफाईकर्मी न्यूनतम शक्ति से सफाई करने की सहमत है अतः आगामी माह में भी इन्हीं सफाईकर्मी को श्रवा जा सकता है। इससे कम वेतन में अन्य कोई कर्मी सहमत नहीं हो रहा है, जिसका की सभी सदस्यों ने आवश्यकतानुसार कर्मी की सेवारत लेने का अनुमोदन किया।

अन्त में कौषाध्यक्ष डा० स्मृती जौहरी ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को सहयोग प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया।

कार्यों की आवश्यकता व प्राथमिकता

अनुसार तय कर उपरोक्त कार्यवाही का अनुमोदन कर पूर्व में लिये गये प्रस्तावों के क्रियान्वयन की सभी सदस्यों ने अनुमति प्रदान करी।

संगीतिकुल
अध्यक्ष

स्थिति
कौषाध्यक्ष
(डा० स्मृती जौहरी)

श्रीमती
सचिव
(श्रीमती प्रेमजीत सूरी)